सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

बिना प्रभु और बाइबिल के देश पर सही ढंग से शासन करना असंभव है।
-जार्ज वाशिंगटन

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 21 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 21 फरवरी, 2025

गिल-शमी के दम पर भारत का... 7 | रामलीला मैदान कर रहा इतिहास... 3 | बजट ढोल की तरह अंदर से... 2

माया देंगी साथ तो बन जाएगी बात!

फिर क्यों नहीं थाम रहीं कांग्रेस का हाथ?

बीजेपी के राजनीतिक अंकगणित की हवा निकाल सकती हैं मायावती

» क्या डरती हैं मायावती... अखिलेश यादव के बाद राहुल गांधी ने माया पर साधा निशाना!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इन दिनों मायावती पर आरोपों की बौछार है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी मायावती पर बीजेपी की मदद करने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने बसपा सुप्रीमों पर कड़े शब्दों का इस्तेमाल पहली बार किया है।

राहुल गांधी ने विपरीत परिस्थितियों में भी हमेशा मायावती के लिए सार्वजनिक मंचों से सम्मान जाहिर किया। लेकिन यह पहली बार है जब उदित राज के बयान के फौरन बाद कांग्रेस के सर्वोच्चय नेता राहुल गांधी ने खुलकर मायावती पर हमला बोला हो। राहुल के हमले का जवाब भी मायावती की तरफ से आ चुका है और उनके रायबरेली दौरे के दूसरे दिन उनके विरोध में पोस्टर लगाये गये हैं। यानि कि स्थिति तेजी से साफ हो रही है और भविष्य की राजनीतिक पिच तैयार होने लगी है।

बसपा से गठबंधन बरगलाने वाली बातें : मायावती

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस जिन राज्यों में मजबूत है या जहां उनकी सरकारें हैं, वहां बसपा व उनके अनुयाइयों के साथ उसका द्वेष व जातिवादी रवैया है। यूपी जैसे राज्य में जहां कांग्रेस कमजोर है, वहां बसपा से गठबंधन की बरगलाने वाली बातें करना यह उस पार्टी का दोहरा चरित्र नहीं तो और क्या है।

डरती हैं मायावती : अखिलेश यादव

पूर्व में मायावती के साथ मिलकर चुनाव लड़ चुके सपा प्रमुख अखिलेश यादव कहते हैं कि बसपा सुप्रीमों मायावती ईडी और सीबीआई से डरती है। उनका यह भी कहना है कि मायावती ने कांशीराम के बहुजन आंदोलन को कमजोर करने का काम किया है। अखिलेश यादव के मुताबिक मायावती उन सीटों पर उन जाति के मजबूत उम्मीदवार उतार देती है जो जो बीजेपी को हरा रहे होते हैं। कुंदरकी चुनाव हो या फिर दिल्ली का विधान सभा चुनाव। आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि पिछले कुछ वर्षों से बीएसपी का चुनावी मैनेजमेंट कैसा रहा है।

पूर्व में धोखा दे चुके क्षेत्रीय दलों से आर–पार की लड़ाई

बड़ा सवाल यही है कि अभी तक क्षेत्रीय दलों को साध कर चलने वाली कांग्रेस अब उनसे पंगा क्यों ले रही है? दिल्ली में केजरीवाल की नैया डुबो कर पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, बिहार में नीतिश और यूपी मे मायावती से सीधे बैर लेकर कांग्रेस आगे क्यों बड़ रही है। राजनीतिक विषलेशकों को यही लगता है कि आम दिनों में सब ठीक रहता है लेकिन जैसे ही चुनाव होते हैं क्षेत्रीय दल कांग्रेस से मोल-भाव करने लगते हैं। चुनाव के दौरान कांग्रेस सेक्रीफाइज करती है तो भी उसी का नुकसान होता है और चुनाव लड़ती है तो भी नुकसान होता है। ऐसे में उसने उन क्षेत्रीय दलों से दो–दो हाथ करने की रणनीति बनाई है जो पूर्व में उसे धोखा दे चुके हैं।

मायावती पर राहुल के बयान का विरोध लखनऊ में लगाए पोस्टर, कहा- माफी मांगो

कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे जहां उन्होंने बहुजन समाज पार्टी की मुखिया को लेकर बयान दिया था कि वो चुनाव ठीक से नहीं लड़ती है, उनके इस बयान पर सियासत तेज हो गई है। अब बहुजन स्वाभिमान मंच की ओर से कांग्रेस पर बसपा सुप्रीमो के अपमान का आरोप लगाया गया है। इस मंच ने

राजधानी लखनऊ में कई पोस्टर लगाए हैं जिसमें कांग्रेस पर दलितों को भ्रमित करने आरोप लगाया। बहुजन स्वाभिमान मंच ने जो पोस्टर लगाए हैं उसमें कांग्रेस पर बसपा सुप्रीमों के अपमान का आरोप लगाया और कहा कि राहुल गांधी अपनी दोगली नीति से दलितों को भ्रमित कर रहे हैं, इस पोस्टर में कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज के उस बयान पर निशाना साधा गया, जिसमें उन्होंने ये कहा था कि अब मायावती का गला घोंटने का समय आ गया है।

मायावती के भाजपा विरोधी मोर्चे में शामिल नहीं होने का अफसोस है : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में मायावती की अगुवाई वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विरोधी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) में शामिल नहीं होने से निराशा हुई थी। गांधी ने छात्रों से भारतीय राजनीति में बसपा के संस्थापक कांशीराम की भूमिका के बारे में भी बातचीत की। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि कांशीराम जी ने नींव रखी और बहनजी (मायावती) ने उस पर निर्माण किया। इसके बाद उन्होंने मायावती के मौजूदा राजनीतिक रुख पर सवाल उठाते हुए कहा, मैं चाहता था कि बहनजी हमारे साथ मिलकर भाजपा के खिलाफ लड़ें, लेकिन किसी कारण से उन्होंने ऐसा नहीं किया। यह बेहद निराशाजनक है।

और ज्यादा हमले बोले जाएंगे

राजनीतिक हाशिये पर पहुंच चुकी मायावती यदि राहुल गांधी के बयान को एक आफर की तरह लें तो उनके लिए यह राजनीतिक अर्पच्युनिटी साबित हो सकता है। लेकिन राहुल गांधी के रायबरेली में विरोध के पोस्टर लगवा कर मायावती ने अपना रूख साफ कर दिया है। ऐसे में नयी दलित लीडरशिप के तौर पर उभर रहे चन्द्रशेखर रावण और दूसरे दलित नेताओं को आगे कर कांग्रेस दलित वोटों को हासिल करने की कोशिश करेंगी और कांग्रेसी दलित नेताओं को आगे कर मायावती पर और ज्यादा हमले बोले जाएंगे।

बीजेपी का अंकगणित

भारतीय जनता पार्टी की हाल की रणीनति को अगर समझने की कोशिश करें तो एक बात साफ है वह अपने वोटों को साध कर चलती है और विपक्षी दलों के वोट बैंक को तितर–बितर करके चुनाव लड़ती है। दिल्ली हो या फिर दूसरे अन्य राज। सभी जगह बीजेपी ने यही किया और सफलता पाई। अब कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने बीजेपी को बीजेपी के ही रणनीति से हराने की योजना बनाई हैं। राहुल गांधी का ताजा बयान यही कहता है कि यदि मायावती, कांग्रेस और सपा यूपी में मिल कर चुनाव लड़े तो स्पष्ट जीत हासिल कर सकते हैं।

बजट ढोल की तरह अंदर से खोखला : अखिलेश

» बोले- लोग कह रहे- सरकार का प्रवचन तो हो गया है अब बजट कब आएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि ये भाजपा सरकार का नौवां बजट है। ये बजट नहीं बल्कि बहुत बड़ा ढोल है जिसमें आवाज तो बहुत है पर अंदर से खोखला है। उन्होंने कहा कि इसे देखकर किसानों की उम्मीदों का खेत सूख गया है। महिलाओं के माथे पर घर चलाने की चिंता की लकीरें उभर आई हैं। आम जनता के लिए इसमें कुछ नहीं है लोग कह रहे हैं कि सरकार का प्रवचन तो गया है अब बजट कब आएगा।

उन्होंने कहा कि बजट देखकर मंत्री और विधायक भी निराश हैं क्योंकि इसमें उनके अपने विभाग के लिए कुछ नहीं है। आखिर उन्हें ही जनता को फेस करना है। भाजपा ने इस बजट में भी अपने संकल्प पत्र के वादे पूरे नहीं किए हैं। ये उनका नौवां बजट है। अखिलेश यादव ने कहा कि बजट में महंगाई और बेरोजगारी को नियंत्रित करने के लिए कुछ भी नहीं है। प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश होने पर उन्होंने कहा कि बजट बड़ा होने से कुछ नहीं होता है सवाल ये है कि इसमें युवा, किसान और बेरोजगारों और महिलाओं को क्या मिला है। इस वर्ष के बाद योगी सरकार अपना आखिरी बजट पेश करेगी जिसके बाद नई सरकार सत्ता में आएगी। बिना विजन वाला बजट है।

दिल्ली वालों को भी सनातनी नहीं मानते हैं लखनऊ वाले

मुख्यमंत्री योगी द्वारा संगम के जल को साफ और स्नान योग्य बताने पर अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जो दावा किया है वो तो यही है कि संगम का जल पीने और नहाने के योग्य नहीं है तो क्या लखनऊ वाले दिल्लीवालों को भी सनातनी नहीं मानते हैं। बता दें कि सीएम योगी ने बुधवार को विधानसभा में जवाब देते हुए कहा था कि विपक्ष के लोग संगम के जल को लेकर अफवाह फैला रहे हैं क्योंकि वो सनातन का विरोध करते हैं।

महाकुंभ को लेकर अखिलेश का सीएम पर तंज, कहा- हिंदी किताब भेज रहा हूं

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान हार्वर्ड विश्वविद्यालय द्वारा कुंभ मेला अध्ययन पर एक पुस्तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट करेंगे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि उन्होंने पहले आदित्यनाथ को सजावट के उद्देश्य से पुस्तक का अंग्रेजी संस्करण भेजा था, लेकिन अब वह हिंदी संस्करण भेजेंगे ताकि वह वास्तव में इसे पढ़ सकें। यादव ने कहा कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा कुंभ पर अध्ययन स्पीकर के माध्यम से सीएम को भेजा गया था...यह अंग्रेजी में था। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें पढ़ने के लिए हिंदी में एक भेज रहा हूं।इससे पहले अखिलेश ने एक्स पर लिखा था कि अच्छी किताब पढ़ना होती है अच्छी आदत, सीखकर इससे पाएं आयोजन की महारत। उन्होंने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को जब बताया तब ये समाचार प्रकाश में आया कि प्रयागराज में गंगा जी का 'जल मल संक्रमित' है। लखनऊ में सदन के पटल पर इस रिपोर्ट को झूठ साबित करते हुए कहा गया कि सब कुछ 'नियंत्रण' में है। दरअसल लखनऊवालों का मतलब था 'प्रदूषित पानी' के समाचार को फैलने से रोकने के लिए मीडिया पर नियंत्रण है। जनता पूछ रही है कि 'न्यायालय की अवमानना' की तरह किसी पर 'सरकारी बोर्ड या प्राधिकरण की अवमानना' का मुक़दमा हो सकता है क्या? यूपीवाले पूछ रहे हैं दिल्ली–लखनऊ के बीच ये चल क्या रहा है?

जनहित व जनकल्याण से कोसों दूर है सरकार का बजट : मायावती

» बोलीं- ये बजट मध्यम वर्ग की तुष्टीकरण वाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मायावती ने यूपी के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर कहा कि यूपी सरकार द्वारा विधानसभा में आज पेश 2025–26 का बजट यदि व्यापक जनहित व जनकल्याण का ज्यादा होता तो यह बेहतर होता, जबकि बजट में महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन को दूर करने व आमजन की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के प्रति पर्याप्त सरकारी नीयत–नीति का अभाव है।

ऐसे सही विकास कैसे संभव है?कुल मिलाकर, यूपी भाजपा सरकार का बजट भी पेट भरे मध्यम वर्ग के तुष्टीकरण वाला है जबकि सरकारों की असली चिन्ता व संवैधानिक दायित्व करोड़ों परिवारों की दरिद्रता को दूर करके सुख–चैन पहुंचाने वाला सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के उद्देश्य की पूर्ति का होना चाहिए। ऐसा ना होना चिन्तनीय। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के शहर, गांव, क्षेत्र एवं समाज बुनियादी

सुविधाओं के अभाव व अनेकों विषमताओं से जूझ रहे हैं तथा लोगों को जब सड़क, पानी, स्कूल, अस्पताल, रोजी–रोजगार के बेहतर व्यवस्था करने की मांग है तब उन्हें दूसरे सपने दिखाना यह समस्या का सही समाधान नहीं।उन्होंने कहा कि भाजपा से पहले यूपी बदहाल था, यह दावा उचित नहीं क्योंकि बसपा की मेरी सरकार में जनहित व जनकल्याण तथा अपराध–नियंत्रण व कानून–व्यवस्था के मामले में हर स्तर पर कानून द्वारा कानून का बेहतरीन राज था, जिसे लोग अब तरस रहे हैं जबकि भाजपा की नीतियों से बहुजन समाज बदहाल है।

तमिलनाडु का शिक्षा निधि जारी करे केंद्र : स्टालिन

» मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने भाषा विवाद के बीच समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत तत्काल 2,152 करोड़ रुपये जारी करने की मांग की। स्टालिन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उस टिप्पणी पर गहरी चिंता व्यक्त की, जिसमें सुझाव दिया गया था कि जब तक तमिलनाडु राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू नहीं करता, तब तक धनराशि जारी नहीं की जाएगी।

स्टालिन ने अपने पत्र में कहा कि इससे हमारे राज्य में छात्रों, राजनीतिक दलों और आम जनता के बीच अत्यधिक चिंता और अशांति पैदा हुई है। उन्होंने दो–भाषा नीति के प्रति तमिलनाडु की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर जोर दिया कि यह राज्य की शैक्षिक और सामाजिक संरचना में गहराई से निहित है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि तमिलनाडु ने पहले ही एनईपी 2020 के कई प्रावधानों पर कड़ी आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा कि इन चिंताओं को औपचारिक रूप से मेरे पत्र दिनांक 27 अगस्त 2024 में सूचित किया गया था, और एक विस्तृत ज्ञापन

व्यक्तिगत रूप से 27 सितंबर 2024 को आपको सौंपा गया था। हालांकि, इन कई अभ्यावेदन के बावजूद, 2024–2025 के लिए समग्र शिक्षा निधि जारी नहीं की गई है।

स्टालिन ने एसएसए फंड को एनईपी और पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम एसएचआरआई) पहल के कार्यान्वयन के साथ जोड़ने का कड़ा विरोध किया और इसे मौलिक रूप से अस्वीकार्य बताया। उन्होंने तमिलनाडु को केंद्रीय रूप से अनिवार्य कार्यक्रमों को अपनाने के लिए मजबूर करने के लिए कथित तौर पर धन रोकने को दबाव की रणनीति के रूप में इस्तेमाल करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और तर्क दिया कि यह सहकारी संघवाद का सीधा उल्लंघन है।

नायडू ने पाटिल से पोलावरम नहर निर्माण पर हुए खर्च के भुगतान की अपील की

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल से पोलावरम परियोजना की बायीं और दायीं नहरों के निर्माण में हुए खर्च के भुगतान की अपील की।मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री से इस विशाल सिंचाई परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए पूर्ण सहयोग देने का भी अनुरोध किया। नायडू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''(मैंने मंत्री से) पोलावरम की बायीं और दायीं नहरों के निर्माण पर हुए व्यय की प्रतिपूर्ति करने और परियोजना को युद्ध स्तर पर पूरा करने के लिए सभी आवश्यक सहायता का अनुरोध किया।'' इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने पोलावरम-बनकाचेरला लिंक परियोजना के लिए भी पाटिल से सहयोग मांगा, जिसका उद्देश्य एक लिंक नहर के माध्यम से पोलावरम में गोदावरी नदी से बाढ़ के 200 टीएमसी पानी को बनकाचेरला पहुंचाना है। नायडू के अनुसार, पोलावरम-बनकाचेरला परियोजना 80 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध कराकर और तीन लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई करके राज्य को सूखा-मुक्त बनाएगी, जबकि 9.14 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त लाभ मिलेगा।इसके अलावा, उन्होंने कहा कि इस परियोजना से उद्योगों को 20 टीएमसी पानी की आपूर्ति भी हो सकेगी। पिछले साल नवंबर में विधानसभा में नायडू ने पोलावरम परियोजना को राज्य की जीवन रेखा बताया था और वित्तीय चुनौतियों के बावजूद इसे 'किसी भी कीमत पर' 2027 तक पूरा करने का संकल्प लिया था।

बलौदा बाजार हिंसा मामले में गरमाई सियासत

» बीजेपी बोली- देवेंद्र की जमानत पर भूपेश ज्यादा खुश न हों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा मामले में जेल में बंद रहे कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद राज्य में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। विधायक की जमानत को लेकर अब कांग्रेस–बीजेपी दोनों आमने–सामने हैं।

कांग्रेस लगातार प्रदेश के भाजपा सरकार पर निशाना साध रही है। साथ ही आरोप भी लगा रही। वहीं बीजेपी ने भी कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तंज कसा है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने बलौदाबाजार हिंसा के मामले में सात माह से जेल में बंद कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव को मिली जमानत पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को ज्यादा खुश नहीं होने की नसीहत देते हुए कहा है कि इस मामले में बघेल भाजपा के खिलाफ मिथ्या प्रलाप करके अपनी जग हंसाई कराते शोभा नहीं देते।

श्रीवास्तव ने कटाक्ष करते हुए कहा कि न्यायपालिका और जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। इसलिए महज जमानत मिल जाने पर बघेल इतने उतावलेपन का प्रदर्शन करके हर बार की तरह फिर आरोपियों की वकालत कर रहे हैं।

द्रमुक सरकार पर चौतरफा वार

» एआईडीएमके व भाजपा ने तेज किए हमले
» राज्यपाल एन रवि ने भी सीएम स्टालिन पर किया वार
» हिंदी को लेकर भी गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में द्रमुक सरकार पर राज्यपाल, भाजपा के साथ-साथ अन्नाद्रमुक भी वार से चूक नहीं रही है। वहां हिंदी को लेकर भी स्टालिन के बेटे उदयनिधि भाजपा पर हमलावा है। उधर राज्यपाल ने तमिल गौरव के संरक्षण का दावा करने वालों की 'खोखली बयानबाजी' की निंदा की है। राज्यपाल आर. एन. रवि ने उन लोगों की आलोचना की है जो तमिल और संस्कृति के संवर्धन एवं संरक्षण का दावा तो करते हैं, लेकिन जिनका वास्तविक तौर पर इसमें कोई योगदान नहीं है।

उन्होंने कहा कि सही मायने में समृद्ध तमिल साहित्यिक विरासत को संरक्षित करने और उसके संवर्धन में ही उसका असली सम्मान निहित है। महाकवि सुब्रमण्यम भरतियार की साहित्यिक कृतियों को कालानुक्रमिक रूप से संकलित करने में सीनी विश्वनाथन के योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री पुरस्कार मिलने पर मंगलवार को रवि ने यहां उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि राजभवन की पहल पर राष्ट्रीय कवि की एक प्रतिमा स्थापित की गई, एक राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नेतृत्व में दरबार हॉल का नाम बदलकर भारतियार मंडपम रखा गया। उन्होंने भारतियार की कृतियों का अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने राज्य के विश्वविद्यालयों में भारतियार को समर्पित किए जाने वाली योजनाओं और पहलों के अभाव पर दुख जताया।

महाकवि भारतियार की विरासत को तमिलनाडु में कमजोर किया जा रहा : एन रवि

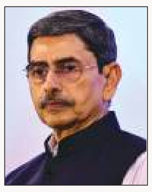

उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, ''जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में भारतियार पीठ की स्थापना कर सकते हैं, तो तमिलनाडु में ऐसी ही पहल क्यों नहीं की जा सकती। रवि ने दावा किया कि कुलपतियों द्वारा इस तरह की पहल करने की इच्छा व्यक्त करने के बावजूद, उन्हें 'दबाव और धमकियों' का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, ''महाकवि भारतियार लोगों के दिलों में रहते हैं, फिर भी उनकी विरासत को तमिलनाडु में एक अंधराष्ट्रवादी पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा कमजोर किया जा रहा है, जो निरंतर उपेक्षा और शत्रुता के भाव के माध्यम से उनके योगदान को मिटाना चाहता है।

सनातन के बाद अब हिंदी के विरोध में उदयनिधि स्टालिन

बोले- इसने खत्म कर दीं कई भाषाएं

खुले मंच से सनातन धर्म के विरोध के बाद अब तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के निशाने पर हिंदी भाषा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि हिंदी की वजह से तमिल भाषा खत्म हो सकती है। इस दौरान उन्होंने फंड के मुद्दे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। 2023 में स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना कोविड जैसी बीमारियों से की थी। राजधानी चेन्नई में विपक्षी गठबंधन के दलों ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दौरान स्टालिन ने कहा, हिंदी ने उत्तर में राज्यों की स्थानीय भाषा जैसे राजस्थानी, हरियाणवी, भोजपुरी और अन्य बिहारी भाषाओं को खत्म कर दिया है और प्रमुख स्थानीय भाषा बन गई है। अगर तमिलनाडु में इसे लागू किया गया, तो यहां भी ऐसा ही होगा। उन्होंने कहा, विदेश और ईसरो जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में काम कर रहे लगभग 90 फीसदी तमिल ऐसे स्कूलों में थे, जहां हिंदी नहीं पढ़ाई जाती। उन्होंने कहा कि बीते 100 सालों में शिक्षा और हिंदी लागू करने के मुद्दे पर तमिलनाडु में बड़े प्रदर्शन हुए हैं। उन्होंने कहा, थलमुथु, नटराजन और कीझपालुर चिन्नास्वामी जैसे शहीदों ने राजनीति नहीं, बल्कि तमिल के लिए अपनी जान गंवा दी। हमारी भाषा के लिए जान देने के लिए हजारों लोग तैयार हैं। इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर राज्य को फंड मिलना बंद होता है, तो राज्य स्तर पर विरोध शुरू होगा। विरोध प्रदर्शन में शामिल वीसीके के अध्यक्ष तोल तिरुमवलावन का कहना है कि भाजपा हिंदी इसलिए इसलिए थोप रही है, क्योंकि वह एक राष्ट्र एक भाषा की नीति लागू करना चाहती है, ताकि हिंदी को राष्ट्रीय भाषा बनाया जा सके।सनातन धर्म पर सवालसितंबर 2023 में एक कार्यक्रम के दौरान उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि कुछ चीजें हैं, जिनका विरोध नहीं किया जा सकता और उखाड़ना ही पड़ता है। उन्होंने कहा था, जैसे डेंगू, मच्छरों, मलेरिया या कोरोनावायरस को खत्म करने की जरूरत है, वैसे ही हमें सनातन को उखाड़ फेंकना होगा।

पलानीस्वामी ने द्रमुक को 2026 में सत्ता से बेदखल करने का संकल्प लिया

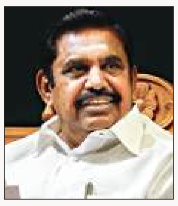

अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने कहा कि 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को टक्कर देने और चुनाव जीतने के लिए उनकी पार्टी एक विशाल गठबंधन बनाएगी। पलानीस्वामी ने प्रदेश में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों को लेकर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर निशाना साधा। उन्होंने पार्टी की इलैग्यार्गल-इलम पेंगल पासराई शाखा के एक सम्मेलन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन कहते हैं कि राज्य में उनकी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के घटक दलों की एक ही विचारधारा हैं।पलानीस्वामी ने कहा, ऐसी स्थिति में अलग-अलग पार्टियों की क्या जरूरत है? सभी पार्टियों का द्रमुक में विलय किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक के संबंध में चुनावी गठबंधन और विचारधारा दो अलग-अलग चीजें हैं तथा गठबंधन केवल चुनाव जीतने के लिए वोटों के विभाजन को रोकने के लिए होते हैं।महासचिव ने कहा, 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अन्नाद्रमुक की अगुआई में एक विशाल गठबंधन बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इस तरह के चुनावी गठबंधन की वकालत की है ताकि अन्नाद्रमुक चुनाव जीतकर अगली सरकार बना सके। पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी मांग को स्वीकार करते हुए, 'शक्तिशाली विजयी गठबंधन' बनाया जाएगा।

रामलीला मैदान कर रहा इतिहास का बखान

गांधी से वाजपेयी, जिन्ना से अन्ना, जहां कभी हुआ था केजरीवाल की राजनीति का उदय

» जयप्रकाश के आंदोलन का गवाह भी बना था यह मैदान
» वहीं से बीजेपी की नई सरकार का भी आगाज
» सांप्रदायिक सौहार्द का केंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

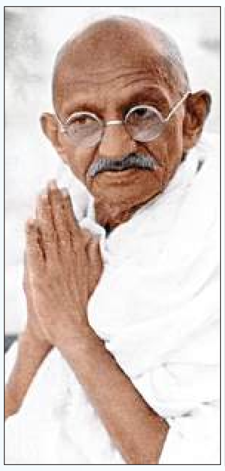

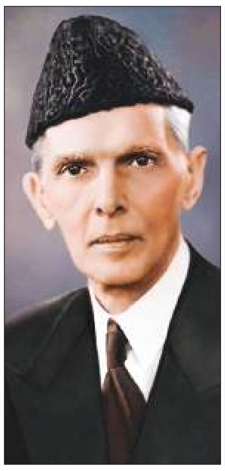

नई दिल्ली। दिल्ली का रामलीला ग्राउंड क्रांति के उद्घोष से लेकर सियासत की कुर्सी पर पहुंचने के लिए सबसे उम्दा स्थान है। कभी इस मैदान से बिहार के बेटे राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कविताएं लोकनायक जय प्रकाश नारायण के मुख से फूटी तो 1 सफदरजंग रोड पर बैठी इंदिरा गांधी की गद्दी हिल गयी थी।

यहां राजनीतिक संस्कार से संघर्ष का बवंडर तक निकला जिसे भारतीय राजनीति को बदल के रख दिया। चाहे 1975 की जयप्रकाश नारायण की समग्र क्रांति हो या अरविंद केजरी वाल का भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार मुहिम उसके बाद आप का उदय ये मैदाान हर पल का साक्षी है। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री की कहानी एक बार फिर से यहीं से शुरू हो गई है। वैसे तो इसे सांप्रदायिक सौहार्द का केंद्र रहा है। इसके एक हिस्से पर मस्जिद है तो कुछ ही दूरी पर एक मंदिर भी है। आंदोलन से क्रांति होती है, क्रांति इतिहास बदलते है और रामलीला मैदान कई बार इसका साक्षी बना है। नई दिल्ली का रामलीला मैदान आजादी की लड़ाई, पाकिस्तान पर जीत इमरजेंसी, राम मंदिर आंदोलन और जनलोकपाल जैसे अनगिनत एतिहासिक हलचलों का गवाह रहा है। उठते हैं तूफान, बवंडर भी उठते जनता जब कोपाकुल हो भृकुटि चढ़ाती है। दो राह समय के रथ की घर्घर नाद सुनो, सिंहासन खाली करो की जनता आती है।

शास्त्री ने दिया जय जवान जय किसान का नारा

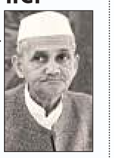

1965 में पंडित भारत-पाक युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने इसी मैदान से जय जवान जय किसान का नारा दिया था। जयप्रकाश नारायण ने इसी मैदान से कांग्रेस सरकार के खिलाफ हुंकार भरी थी। 25 जून 1975 को इसी मैदान पर लोकनायक जय प्रकाश नरायण ने विपक्षी नेताओं के साथ ये एलान कर दिया था कि इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंका जाए। उस ऐलान के अगले ही दिन देश को आपातकाल का सामना करना पड़ा था।

जिन्ना से लेकर हजारे तक दहाड़े

मोहम्मद अली जिन्ना से जवाहर लाल नेहरू तक और बाबा राम देव से लेकर अन्ना हजारे तक सारे लोग इसी मैदान से क्रांति की शुरुआत करते रहे हैं। सन 1945 में हुई एक सभा में जब मोहम्मद अली जिन्ना मुस्लीम लीग को संबोधित कर रहे थे तब उनके भाषण के दौरान उनके मंच के करीब बैठे कुछ लोगों ने नारे लगाने शुरू कर दिए ''मौलाना जिन्ना जिंदाबाद। वे इस नारे को सुनकर भ?क गए और नारे लगाने वाले को लता?ते हुए कहा कि मै आपका सियासी नेता हूं न कि मजहबी। इसलिए नारे लगाते हुए बेवकूफी न करें।इसी रामलीला मैदान में चीन से मिली पराजय के बाद गणतंत्र दिवस के एक कार्यक्रम में लता मंगेशकर ने ऐ मेरे वतन के लोगो गीत गाया था। जिसे सुनकर नेहरू जी की आंखे भर आई थी।रामलीला मैदान में स्थायी मंच 1961 में ही बना था। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ भारत के दौरे पर आई। उनके सम्मान में रामलीला में एक कार्यक्रम होना था। तब यहां स्थायी मंच का निर्माण हुआ था।

आप का जन्म

2012 में केजरीवाल ने इसी मैदान से अपनी नई पार्टी %आम आदमी पार्टी का ऐलान किया और फिर 2013 में जब उनकी पार्टी को दिल्ली चुनाव में अप्रत्याशित सफलता मिली, तो उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ भी इसी रामलीला मैदान में ली। वह एक ऐसा दौर था, जब केजरीवाल को जनता का अपार समर्थन था और रामलीला मैदान इसकी गवाही दे रहा था।

ब्रिटिश सैनिकों को शिविर के लिए तैयार करवाया था मैदान

कहा जाता है कि इस मैदान को अंग्रेजों ने वर्ष 1883 में ब्रिटिश सैनिकों को शिविर के लिए तैयार करवाया था। समय के साथ-साथ पुरानी दिल्ली के कई संगठनों ने इस मैदान में रामलीलाओं का आयोजन शुरू कर दिया, फलस्वरूप इसकी पहचान रामलीला मैदान के रूप में हो गई। दिल्ली के दिल में इससे बड़ी खुली जगह और कोई नही थी इसलिए रैली जैसे बड़े आयोजनों और आम जनता से सीधे संवाद के लिए ये मैदान राजनेताओं का पसंदीदा मैदान बन गया। गुलाम भारत और आजाद भारत के इतिहास में ऐसे मौकों की कमी नही है जब रामलीला मैदान ने अपना नाम दर्ज न कराया हो। इंदिरा गांधी ने पाक से युद्ध की जात का जश्न यही मनाया था। आजादी की लड़ाई के दौरान महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल और दूसरे नेताओं के लिए विरोध जताने का ये सबसे पसंदीदा मैदान बन गया था।

2025 में बीजेपी का शपथग्रहण

अब 2025 में 27 साल बाद बीजेपी ने दिल्ली की सत्ता में वापसी की है। ऐसे में पार्टी ने अपने शपथ ग्रहण समारोह के लिए इसी ऐतिहासिक मैदान को चुनकर न केवल एक रणनीतिक फैसला लिया, बल्कि एक मजबूत राजनीतिक संदेश भी दिया है। भारतीय जनता पार्टी के राम मंदिर आंदोलन का शंखनाद भी यही से हुआ था। भविष्य के गर्भ में क्या छिपा है कोई नही जानता लेकिन हम इतना तो कह ही सकते हैं कि देश की सरकारें बदलती रही हैं लेकिन रामलीला मैदान वहीं का वहीं है।

जिद... सच की

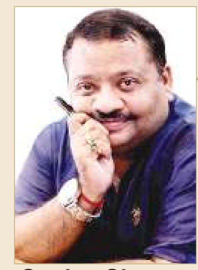

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

टोल टैक्स अराजकता से कब निकलेगा आमजन

“ सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी का असर शायद न तब सरकार पर हुआ था और न अब हो रहा। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार टिप्पणी की थी कि अगर सड़कें खराब हैं तो इस पर सफर करने वाले टोल टैक्स भी क्यों दें? आम आदमी इसका खामियाजा क्यों भुगते? सरकार को इसकी भरपाई करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार टिप्पणी की थी कि अगर सड़कें खराब हैं तो इस पर सफर करने वाले टोल टैक्स भी क्यों दें। आम आदमी इसका खामियाजा क्यों भुगते सरकार को इसकी भरपाई करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी का असर शायद न तब सरकार पर हुआ था और न अब हो रहा। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार टिप्पणी की थी कि अगर सड़कें खराब हैं तो इस पर सफर करने वाले टोल टैक्स भी क्यों दें? आम आदमी इसका खामियाजा क्यों भुगते? सरकार को इसकी भरपाई करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी का असर शायद न तब सरकार पर हुआ था और न अब हो रहा है, क्योंकि खस्ताहाल हाइवे के बावजूद आम जनता टोल टैक्स देने के लिए मजबूर है।

टोल टैक्स एक तरह का अप्रत्यक्ष कर है, जो नेशनल और स्टेट हाइवे पर इसलिए लिया जाता है, ताकि सरकार अच्छी सड़कें मुहैया करा सके, लेकिन आए दिन ऐसे समाचार हमें पढ़ने को मिलते हैं कि हाइवे जर्जर है, फिर भी टोल टैक्स की वसूली निरंतर जारी है। टोल टैक्स के मकडज़ाल से आम आदमी निकल भी पाएगा या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि टोल टैक्स घटने के बजाय साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। दूसरा, टोल टैक्स प्लाजा की अव्यवस्थाओं से वाहन चालकों को रोजाना जूझना पड़ रहा है। फास्टैग में एडवांस पैसे देने के बावजूद अधिकांश वाहन चालक हाइवे पर चलते समय स्वयं को ठगा हुआ महसूस करते हैं। बीमा कराने वालों के हितों की रक्षा का अहम कदम एक छोटा सा उदाहरण राजस्थान के मनोहरपुर टोल प्लाजा का ले लीजिए। सितंबर 2024 में सूचना के अधिकार (आरटीआइ) से पता चला था कि 1900 करोड़ में बने हाइवे के 8000 करोड़ रुपए टोल टैक्स के रूप में वसूले जा चुके हैं। अब आप ही बताइए 1900 करोड़ की सड़क के 8000 करोड़ किस हिसाब से वसूल लिए गए। शायद आम आदमी सरकार के इस गणित को समझ न पाए। देश में अभी करीब 980 टोल प्लाजा नेशनल हाइवे पर चल रहे हैं। वैसे महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक नेशनल हाइवे हैं और इस श्रेणी में राजस्थान तीसरे नंबर पर आता है, लेकिन टोल टैक्स वसूली में राजस्थान सबसे ऊपर है। टोल टैक्स प्लाजा से गुजरना वाहन चालकों के लिए किसी पीड़ा से कम नहीं है। अधिकांश टोल टैक्स प्लाजा पर आधी लेन अक्सर बंद रहती हैं। फास्टैग के बावजूद टोल कर्मी वाहन को आगे-पीछे कराता है सबसे अधिक 142 टोल टैक्स प्लाजा राजस्थान में चल रहे हैं। इस तरह की वसूली तो पूरे देश में हो रही है। सरकार को कोई ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए जिससे सड़क पर चलने वाले आम आदमी को कोई हानि न पहुंचे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मौलिक अधिकारों संग गरिमापूर्ण जीवन का लक्ष्य

प्रो. आरके जैन ‘अरिजीत’

समाज की असली शक्ति उसकी न्यायप्रियता, समता और गरिमा में निहित होती है। जब कोई वर्ग शोषण का शिकार होता है, श्रमिकों को उनके परिश्रम का उचित मूल्य नहीं मिलता, जाति, धर्म, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव किया जाता है, तब सभ्यता का आधार हिलने लगता है। विश्व सामाजिक न्याय दिवस मात्र एक तिथि नहीं, बल्कि एक सशक्त संकल्प है—ऐसे समाज के निर्माण का, जहां अन्याय की बेड़ियां तोड़ी जाएं और हर व्यक्ति को उसका हक मिले। यह दिवस जिम्मेदारी का अहसास कराता है कि हम न केवल अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहें, बल्कि हर उस व्यक्ति की आवाज बनें, जिसे व्यवस्था ने हाशिए पर धकेल दिया है।

सामाजिक न्याय का अर्थ केवल कानूनी संरचनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी व्यवस्था है, जहां हर व्यक्ति को समान अवसर, गरिमा और अधिकार प्राप्त हों। यह केवल संविधान की किताबों में दर्ज कोई सिद्धांत नहीं, बल्कि एक जीवंत विचारधारा है, जो हर इंसान को बराबरी का हक दिलाने की वकालत करती है। समाज में जातीय भेदभाव, लैंगिक असमानता, बाल श्रम, मानव तस्करी, शोषणकारी मजदूरी और शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच जैसी समस्याएं गहरी जड़ें जमा चुकी हैं। यदि इन विषमताओं का अंत करना है तो सामाजिक न्याय को केवल एक आदर्श न मानकर, उसे क्रियान्वित करना होगा। इस वर्ष, विश्व सामाजिक न्याय दिवस 2025 की थीम है— ‘एक स्थायी भविष्य के लिए एक न्यायसंगत परिवर्तन को मजबूत करना।’ यानी समाज में होने वाले बदलाव—विशेष रूप से रोजगार, जलवायु परिवर्तन नीतियों और आर्थिक संरचनाओं में—निष्पक्ष और समावेशी हों, ताकि कोई भी पीछे न छूटे। आज, दुनिया तेजी से बदल रही है, लेकिन यह बदलाव तभी सार्थक होगा जब इसका लाभ हर व्यक्ति तक समान रूप से पहुंचे। श्रमिकों को उनका अधिकार मिले, पर्यावरणीय नीतियां गरीब और पिछड़े वर्गों को नुकसान पहुंचाने के बजाय उन्हें लाभ दें, और आर्थिक सुधार ऐसे हों, जो समाज के सभी तबकों को सशक्त करें। यह थीम हमें समावेशी और न्यायपूर्ण विकास की ओर प्रेरित करती है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस दिवस को मनाने का उद्देश्य यही रखा है कि हर व्यक्ति को उसके मौलिक अधिकार मिले और वह गरिमापूर्ण जीवन जी सके। यह समस्या किसी एक देश तक सीमित नहीं है; पूरी दुनिया में गरीबों और शोषितों को उनके अधिकारों से वंचित किया जाता है। विकसित देशों में भी श्रमिकों का शोषण होता है, महिलाएं समान अवसरों से वंचित रहती हैं और धार्मिक व जातिगत भेदभाव अभी भी कायम है। सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा श्रमिक अधिकारों की रक्षा हेतु बनाए गए कानून, सामाजिक कल्याण योजनाएं और संवैधानिक सुधार शामिल हैं।

भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में सामाजिक न्याय की अवधारणा और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। भारतीय संविधान ने समानता, आरक्षण नीति, श्रमिक कल्याण, महिला सशक्तीकरण और शिक्षा के अधिकार जैसे कई उपाय किए हैं, ताकि समाज के हाशिए पर खड़े लोगों को मुख्यधारा में लाया जा सके। डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और अन्य समाज सुधारकों ने सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी, जिसे हमें और अधिक सुदृढ़ करना है। सामाजिक न्याय को स्थापित करने के लिए सबसे प्रभावी साधन शिक्षा और जागरूकता हैं। जब हर नागरिक शिक्षित होगा, तभी वह अपने अधिकारों के प्रति सजग हो पाएगा। सरकार को ऐसी नीतियां लागू करनी चाहिए, जो गरीब और वंचित वर्गों को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त करे। न्यूनतम मजदूरी का पालन, श्रमिकों के हितों की रक्षा, महिलाओं के लिए समान कार्यस्थल नीति, बच्चों के लिए शिक्षा का अनिवार्य प्रावधान—ये सभी कदम सामाजिक न्याय की दिशा में मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं।

आज की डिजिटल क्रांति ने अवसरों के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसके साथ ही डिजिटल असमानता भी बढ़ी है। गरीब और पिछड़े वर्गों के पास तकनीकी संसाधनों की कमी के कारण वे इस दौड़ में पीछे छूट रहे हैं। डिजिटल समावेशन अब सामाजिक न्याय का एक महत्वपूर्ण पहलू बन चुका है। तकनीकी संसाधनों तक सबकी पहुंच सुनिश्चित किए बिना, समान अवसरों की बात अधूरी रह जाएगी। सामाजिक न्याय केवल सरकारों और संगठनों की जिम्मेदारी नहीं है। सभी का कर्तव्य है कि हम अपने समाज में समानता, निष्पक्षता और न्याय को बढ़ावा दें।

जर्मनी में दक्षिणपंथियों के निशाने पर आप्रवासी

पुष्परंजन

धुर दक्षिणपंथी, अल्टरनेटिव फ्यूर डाएचलांड (एएफडी) का डंका जर्मन चुनाव में बज रहा है। संसदीय चुनाव 23 फरवरी, 2025 को है। जर्मन संसद ‘बुंडेस्टाग’ के 630 सदस्यों के लिए संघीय चुनाव, 28 सितंबर, 2024 को निर्धारित था, जो गठबंधन के टूटने के कारण आगे बढ़ा दिया गया। 12 साल पहले, 6 फ़रवरी, 2013 को अल्टरनेटिव फ्यूर डाएचलांड (एएफडी) की बुनियाद रखी गई थी। जर्मनी की सबसे नई-नवेली पार्टी, पुरानी पार्टियों की लकीर छोटी कर देगी, ऐसा देखकर कछुए और खरगोश की चाल समझने वाले चुनावी पंडितों को भी हैरानी हो रही है। क्या उसकी वजह आप्रवासन विरोधी वह माहौल है, जिसे बनाने में ‘एएफडी’ को कामयाबी हासिल हो रही है?

‘एएफडी’ ने 2014 में जर्मनी में यूरोपीय संसद में प्रतिनिधित्व के वास्ते चुनाव में यूरोपीय कंजर्वेटिव और रिफॉर्मिस्ट (ईसीआर) के सदस्य के रूप में सात सीटें जीतीं। अक्तूबर, 2017 तक 16 जर्मन राज्य संसदों (विधानसभाओं) में से 14 में प्रतिनिधित्व हासिल करने के बाद, ‘एएफडी’ ने 2017 के जर्मन संघीय चुनाव में 94 सीटें जीती, और देश में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई। या यों कहें, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी भी बन गई। यह पार्टी जर्मनी के पूर्वी क्षेत्रों में सबसे मजबूत है, विशेष रूप से सैक्सनी और थुरिंगिया के राज्यों में। ये वो इलाके हैं, जहां आप्रवासन को नापसंद किया जाता है, और यहां के ज्यादातर लोग बाहर से आकर बसने वालों का विरोध करते हैं। खुसूसन, मुस्लिम समुदाय के लोग इनके निशाने पर होते हैं। सितंबर, 2012 में, अलेक्जेंडर गौलैंड, बर्नड लक, और पत्रकार कोनराड एडम ने यूरोज़ोन संकट से संबंधित जर्मन संघीय नीतियों का विरोध करने, और ग़रीबी में ग़र्क़ होते जा रहे दक्षिणी यूरोपीय देशों के लिए जर्मन समर्थित बेलआउट का सामना करने के लिए राजनीतिक समूह, ‘इलेक्टोरल अल्टरनेटिव’ की स्थापना की थी। उनके घोषणापत्र का कई अर्थशास्त्रियों, पत्रकारों, व व्यापार जगत के नेताओं ने समर्थन किया, और कहा कि ‘यूरोज़ोन’, एक मुद्रा क्षेत्र के रूप में ‘अनुपयुक्त’ साबित हुआ है। यानी, ये लोग पुरानी जर्मन करेंसी, ‘डायच मार्क’ की वापसी चाहते हैं। ‘मार्क’, 1948 से लेकर 2002 तक जर्मनी में चलन में थी।

दिसंबर में एक सऊदी व्यक्ति द्वारा पूर्वी जर्मन शहर, मैगडेबर्ग के क्रिसमस मार्केट में कार घुसाने के दौरान कई लोग मारे गए। धुर दक्षिणपंथियों ने इसे मुद्दा बना लिया। लोग इस घटना को लेकर बाहरी लोगों को कोस रहे थे। एक 13 वर्षीय सीरियाई लड़का शहर के दूसरी तरफ़ एक लिफ्ट में था, जब एक वयस्क पड़ोसी ने उसका गला पकड़ लिया और बोला, ‘यह हमला तुम जैसे लोगों की वजह से हुआ।’ वह बालक शरणार्थी के रूप में जर्मनी आया था। इस घटना के प्रकारांतर 22 जनवरी, 2025 को बावेरियन शहर अस्चाफेनबर्ग के एक पार्क में बच्चों को निशाना बनाकर चाकू से हमला करके दो लोगों की हत्या करने के संदिग्ध एक अफ़गान शरणार्थी की गिरफ़्तारी ने आप्रवासन नीति को और भी सख़्त करने की मांग की है।

इन दोनों घटनाओं ने जर्मनी के 23 फ़रवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव प्रचार अभियान में बारूद भर दिया है। शीर्ष राजनेताओं को देश में प्रवेश करने वाले शरणार्थियों की संख्या में भारी कमी लाने की कसम खाने के लिए बाध्य कर दिया। एएफडी, ‘सिंहासन खाली करो कि जनता आती है’ जैसा माहौल बना चुकी है। चुनांचे, एएफडी के चरमपंथी होने का संदेह व्यक्त किया जाने लगा है। गृह मंत्रालय ने इसकी जांच जर्मनी की घरेलू खुफिया एजेंसी के हवाले कर दी है। लेकिन, अब तो चुनाव सामने है। ये चरमपंथी साबित हो भी गए, तो सत्ता छोड़ेंगे, इसमें शक ही है। पहले के सर्वेक्षणों में एएफडी को 20 फीसद से ज्यादा लोगों का समर्थन मिलता दिख रहा था, मगर अब यह बढ़कर 27 प्रतिशत हो गया है। लाइपजिष यूनिवर्सिटी द्वारा कराए सर्वे के नतीजे बुधवार को जारी हुए। इसमें पाया गया, कि एएफडी का समर्थन करने वालों में 70.6 फीसद लोग पुरुष हैं। किसी भी जर्मन पार्टी के लिहाज से यह अनुपात सबसे अधिक है। पुरुषों का समर्थन दूसरे नंबर पर कारोबार समर्थक फ्री डेमोक्रैटिक पार्टी और वामपंथी द लिंके को भी हासिल है। इन दोनों के समर्थकों में 62 फीसदी पुरुष हैं। अर्थात, इस बार के जर्मन चुनाव में महिलाओं की दिलचस्पी घटी है। लेकिन, ग्रीन पार्टी अपवाद बनी है, जिसका समर्थन करने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। लाइपजिष यूनिवर्सिटी द्वारा किये सर्वे के मुताबिक, ग्रीन पार्टी को सिर्फ 33.6 फीसदी पुरुषों का ही समर्थन हासिल है। बाकी का हिस्सा महिलाओं का है।

एक बात तो है, जर्मनी के संसदीय चुनाव में आप्रवासियों का मुद्दा सिर चढ़कर बोल रहा है। आप्रवासन के सवाल पर ढिलाई बरतने का आरोप लगाकर प्रमुख विपक्षी दल सीडीयू/सीएसयू और साथ ही एएफडी ने अपनी ज़मीन उर्वर की है। चुनाव जैसे-जैसे पास आया, पार्टियों का रुख इस मामले में और ज्यादा सख्त होता गया। इससे ‘एएफडी’ का ग्राफ काफी तेज़ी से ऊपर गया है। कई भारतीय सोच रहे होंगे, इससे हमें क्या लेना-देना है? बिलकुल है लेना-देना। ट्रम्प ने जिस तरह से भारतीयों को अवैध घोषित कर भगाना शुरू किया है, उससे नस्लवादियों, और ख़ासकर जर्मन दक्षिणपंथियों का मनोबल ऊंचा हुआ है। भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमन्न ने 11 जनवरी को पुणे के एक कार्यक्रम में कहा था, कि जर्मनी अवैध प्रवास को कम करने की कोशिश कर रहा है, साथ ही अपनी बहुत उदार आव्रजन नीति की रक्षा भी कर रहा है।

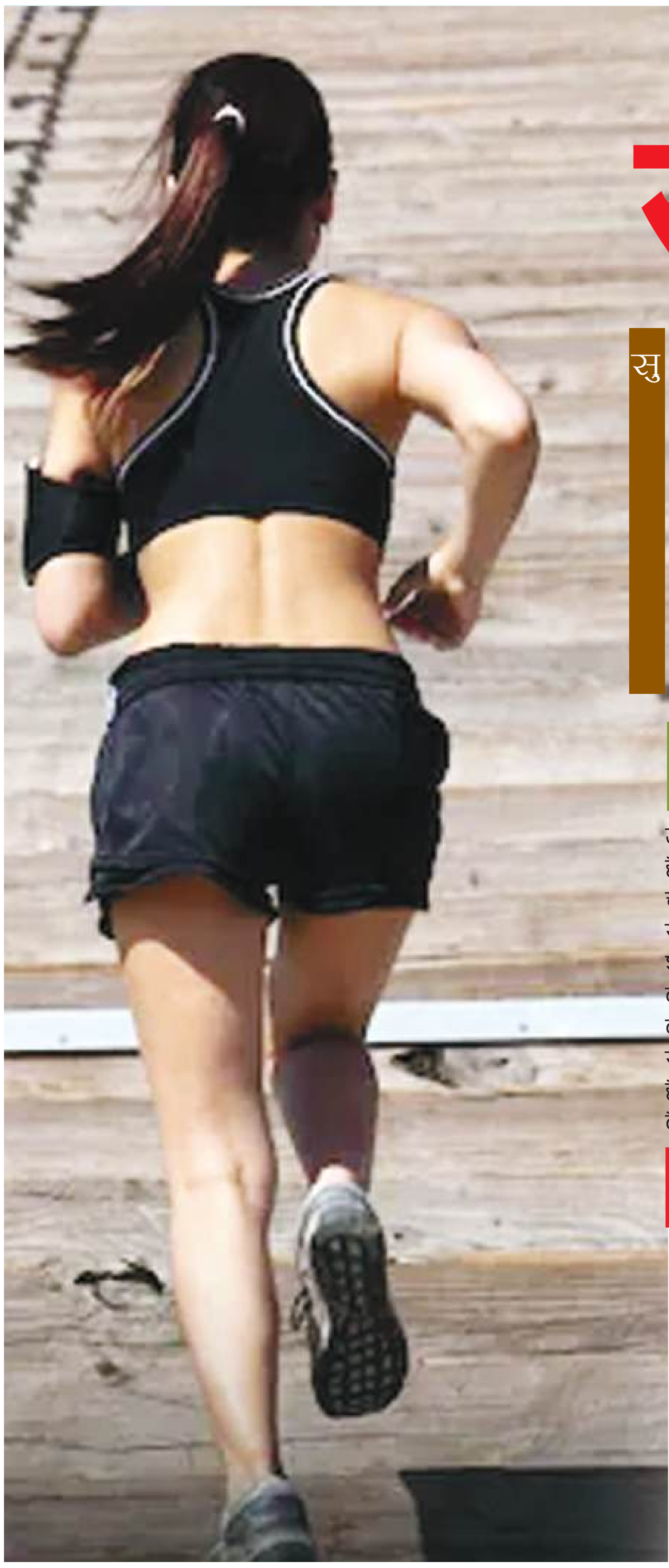

वजन घटाने के लिए सबसे सरल तरीका है

सीढ़ियां चढ़ना

सुबह उठकर एक्सरसाइज करना एक बहुत ही अच्छा तरीका है खुद को फिट रखने का। लेकिन जब बात फिटनेस के साथ-साथ वजन कम करने की आती हैं तो अक्सर हम कोशिश करते हैं ऐसे विकल्प और एक्सरसाइज का तरीका चुनें जो जल्दी असर करे। वजन बढ़ने के बाद उसे घटना एक बेहद मुश्किल काम है, लेकिन अगर सही डाइट और एक्सरसाइज की जाए तो आप अपनी मनचाही फिटनेस पा सकते हैं। वजन घटाने के लिए अक्सर सलाह दी जाती है रोज वॉक करने की। वहीं आपने सीढ़ियां चढ़ने के होने वाले कैलोरी बर्न के बारे में भी सुना होगा। लेकिन ऐसे में सवाल उठता है कि वॉकिंग या सीढ़ियां चढ़ना, इन दोनों की बात करें तो वजन घटाने के लिए कौनसा तरीका बेस्ट होता है? चलिए बताते हैं कि इनमें से कौनसा तरीका आपके लिए बेस्ट साबित होगा।

ज्यादा कैलोरी बर्न होती है

जब आप वॉक करते हैं, तो शरीर क्षैतिज चलता है, जबकि सीढ़ियां चढ़ते समय शरीर ऊर्ध्वाधर मूव करता है। गुरुत्वाकर्षण के खिलाफ काम करने से ज्यादा मेहनत लगती है, जिससे अधिक कैलोरी बर्न होती है।

कैसे डालें अपने जोड़ों पर कम दबाव

सीढ़ियां चढ़ना रनिंग की तुलना में लो-इम्पैक्ट एक्सरसाइज है, फिर भी यह जोड़ों पर असर डाल सकती है। सही तरीके अपनाकर इस प्रभाव को कम किया जा सकता है। इसके लिए सही जूते पहनें। जिनमें एड़ी और टखने का अच्छा सपोर्ट हो। साथ ही पहले 10 मिनट हल्के-हल्के चढ़ें और उतरें, फिर गति बढ़ाएं। जोर से जमीन पर पैर पटकने से घुटनों पर दबाव पड़ता है। सीढ़ियां चढ़ना रनिंग की तुलना में लो-इम्पैक्ट एक्सरसाइज है।

घर में ही हो जाइए शुरू

अगर आप वॉक या रनिंग करते हैं, तो आपको घर से बाहर जाना पड़ता है। या ट्रेडमिल का इस्तेमाल करते हैं। पर घर हो, ऑफिस सा फिर फ्लैट, अगर आप लिफ्ट का इस्तेमाल छोड़कर सिर्फ सीढ़ियों का यूज करने लगें, आपकी एक्सरसाइज वहीं हो जाएगी। इसमें लिए आपको महंगे इक्यूपमेंट की जरूरत नहीं और मौसम की भी टेंशन नहीं।

ज्यादा कैलोरी बर्न करता है

वॉकिंग की तुलना में, सीढ़ियां चढ़ना में ज्यादा कैलोरी बर्न होती है। सीढ़ियां चढ़ने में शरीर को गुरुत्वाकर्षण के खिलाफ काम करना पड़ता है, जिससे ज्यादा मेहनत लगती है और ज्यादा कैलोरी बर्न होती है। इस प्रक्रिया में मांसपेशियों पर ज्यादा दबाव पड़ता है और कैलोरी तेजी से बर्न होती हैं। उदाहरण के लिए, 15 मिनट की सीढ़ियां चढ़ना लगभग 45 मिनट के तेज वॉकिंग के बराबर कैलोरी बर्न कर सकता है। चलिए बताते हैं आपको सीढ़ियां चढ़ने के फायदे हैं।

ज्यादा मांसपेशियों का इस्तेमाल होता है

सीढ़ियां चढ़ते समय सिर्फ पैर ही नहीं बल्कि पूरे शरीर की मांसपेशियों का इस्तेमाल होता है। अगर आप अपनी लॉअर बॉडी की मसल्स को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो सीढ़ियां चढ़ना बेहतरीन एक्सरसाइज है।

इन परिस्थितियों में सीढ़ियां चढ़ने से बचें

- अगर आप 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं या घुटनों में दर्द रहता है।
- अगर आप गर्भवती हैं और डिलीवरी नजदीक है।
- अगर आपकी हाल ही में एंजियोप्लास्टी हुई है या हृदय रोग है।
- अगर आप पैरों की किसी चोट से उबर रहे हैं।

हंसना मना है

एक शराबी ने दोस्तों के साथ पार्टी का प्रोग्राम बनाया और अपने ही घर से रात को बकरा चोरी किया और खूब दावत की। सुबह जब घर पहुंचा तो बकरा घर पर ही खड़ा था। शराबी ने अपनी बीवी से पूछा- बकरा कहां से आया? बीवी (गुस्से में)-बकरे को गोली मारो, रात से अपना कुत्ता गायब है।

पति-पत्नी का एक घंटे से चल रहा झगड़ा पति के द्वारा बोली गई सिर्फ एक लाइन में खत्म हो गया... और वो लाइन थी...सुंदर हो तो कुछ भी बोलोगी क्या?

पत्नी: सुनो जी, अगर मैं वक्त होती तो शायद सबको मेरी बहुत ज्यादा कद्र होती ना? पति: हां प्रियतम, तुम्हारा खौफ होता चारों तरफ। पत्नी: खौफ क्यों होता? पति: अरे, तुम्हें देखते ही लोग सहम जाते और कहते देखो बुरा वक्त आ रहा है।

पति: आज ये रोटियां जली हुई कैसी हैं? पत्नी: क्योंकि मैं आजकल खूबसूरत होती जा रही हूं। पति: तुम्हारे खूबसूरत होने से रोटी जलने का क्या लेना-देना है? पत्नी: रोटियां भी मेरी खूबसूरती को देखकर जलने लगी हैं।

एक दिन चिंटू पंडित जी के पास गया। पंडित: तुम्हारी कुंडली में धन ही धन लिखा है। चिंटू: वो तो सब ठीक है पंडित जी लेकिन ये तो बताइए इस धन को बैंक में कैसे ट्रांसफर करूं। पंडित बेहोश।

कहानी — मूर्खमंडली

एक पर्वतीय प्रदेश के महाकाय वृक्ष पर सिन्धुक नाम का एक पक्षी रहता था। उसकी विष्ठा में स्वर्ण-कण होते थे। एक दिन एक व्याध उधर से गुजर रहा था। व्याध को उसकी विष्ठा के स्वर्णमयी होने का ज्ञान नहीं था। इससे सम्भव था कि व्याध उसकी उपेक्षा करके आगे निकल जाता। किन्तु मूर्ख सिन्धुक पक्षी ने वृक्ष के ऊपर से व्याध के सामने ही स्वर्ण-कण-पूर्ण विष्ठा कर दी। उसे देख व्याध ने वृक्ष पर जाल फैला दिया और स्वर्ण के लोभ से उसे पकड़ लिया। उसे पकड़कर व्याध अपने घर ले आया। वहाँ उसे पिंजरे में रख लिया। लेकिन, दूसरे ही दिन उसे यह डर सताने लगा कि कहीं कोई आदमी पक्षी की विष्ठा के स्वर्णमय होने की बात राजा को बता देगा तो उसे राजा के सम्मुख दरबार में पेश होना पड़ेगा। संभव है राजा उसे दण्ड भी दे। इस भय से उसने स्वयं राजा के सामने पक्षी को पेश कर दिया। राजा ने पक्षी को पूरी सावधानी के साथ रखने की आज्ञा निकाल दी। किन्तु राजा के मन्त्री ने राजा को सलाह दी कि, इस व्याध की मूर्खतापूर्ण बात पर विश्वास करके उपहास का पात्र न बनो। कभी कोई पक्षी भी स्वर्ण-मयी विष्ठा दे सकता है ? इसे छोड़ दीजिये। राजा ने मन्त्री की सलाह मानकर उसे छोड़ दिया। जाते हुए वह राज्य के प्रवेश-द्वार पर बैठकर फिर स्वर्णमयी विष्ठा कर गया और जाते-जाते कहता गया-पूर्वं तावदहं मूर्खो द्वितीयः पाशबन्धकः। ततो राजा च मन्त्रि च सर्व वै मूर्खमण्डलम् ॥ अर्थात् पहले तो मैं ही मूर्ख था, जिसने व्याध के सामने विष्ठा के, फिर व्याध ने मूर्खता दिखलाई जो व्यर्थ ही मुझे राजा के सामने ले गया, उसके बाद राजा और मन्त्री भी मूर्खों के सरताज निकले। इस राज्य में सब मूर्ख-मंडल ही एकत्र हुआ है।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी।

वृषभ

शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं।

मिथुन

पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबरें मिलेंगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा।

कर्क

योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं। कार्यसिद्धि होगी।

सिंह

राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कन्या
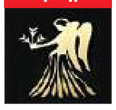
फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी।

तुला

राजकीय सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें। नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है।

वृश्चिक

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। दिन प्रतिकूल रह सकता है। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

धनु
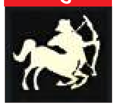
रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है।

मकर
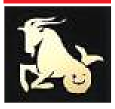
रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा।

कुम्भ

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा।

मीन

आर्थिक उन्नति के लिए नई नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं, प्रयास करते रहें। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

मिसेज की सफलता से चमकी सान्या मल्होत्रा की किस्मत

सान्या मल्होत्रा उन गिनी-चुनी एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल हैं, जो किरदार की आवश्यकता को बेहतरीन ढंग से पूरा करती हैं। इन दिनों अभिनेत्री की फिल्म मिसेज को ओटीटी पर पसंद किया जा रहा है। प्रीमियर के बाद से ही इसके लिए एक्ट्रेस की सराहना की जा रही है। जी5 पर मौजूद मिसेज की कहानी भी एक जरूरी विषय को दिखाने का काम करती है। इस फिल्म की सफलता के बीच सान्या की अन्य फिल्मों को भी ओटीटी पर दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है।

फिल्म मिसेज की सफलता के बाद, लोगों के बीच सान्या मल्होत्रा की अन्य फिल्मों को देखने का क्रेज भी बढ़ा है। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर लोग बड़ी संख्या में उनकी पुरानी फिल्मों को देख चुके हैं। इसका परिणाम इस रूप में देखने को मिला कि नेटफ्लिक्स की टॉप 10 फिल्मों में सान्या की कुछ पुरानी मूवीज शामिल हो गई हैं। 'टॉप 10 मूवीज इन इंडिया टुडे' में सान्या मल्होत्रा की पगलैट और मीनाक्षी सुंदरेश्वर चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। फिल्म मिसेज की डायरेक्टर आरती कादव को इस बात की खुशी हुई और उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए सान्या की उपलब्धि को लोगों के साथ शेयर किया।

डायरेक्टर ने एक पोस्ट में टॉप 10 मूवीज की लिस्ट शेयर करते हुए लिखा, ऐसा बहुत कम बार होता है। हमारी मूवी मिसेज नेटफ्लिक्स की रैंकिंग पर सीधा असर डाल रही है, क्योंकि लोग इस मूवी के साथ ही, सान्या मल्होत्रा की अन्य पुरानी फिल्मों को भी देख रहे हैं। यह सब देखकर मैं बहुत आभारी और धन्य महसूस कर रही हूं। इस मूवी में एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने ऋचा नाम की एक लड़की का किरदार निभाया है, जो शादी से पहले एक डांसर होती है। हालांकि, पति के घर जाने के बाद वह रसोई के कामों में फंसकर रह जाती हैं और धीरे-धीरे उसकी जिंदगी में बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं। बता दें कि यह मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की रीमेक है। इसका नाम भी उन फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गया है, जिन्हें बेहतरीन ढंग से रीमेक किया गया है।

निर्देशक आरती कादव ने की तारीफ

निर्देशक आरती कादव ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान सान्या के काम की तारीफ की थी। डायरेक्टर आरती का मानना है कि सान्या ने अपने किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ निभाया है। उन्होंने कहा, फिल्म के अंत तक मुझे ऐसा महसूस हुआ कि इस किरदार की भावनात्मक गहराई ने सान्या पर असर डाला था। उन्होंने इसे पूरी जिम्मेदारी और प्यार के साथ किया।

बॉलीवुड | मन की बात

जब मेरे पास काम नहीं था तब प्रकाश ने मुझे काम दिया : बॉबी

बॉबी देओल ने अपने करियर में बहुत बुरा दौर देखा है। एक वक्त था जब वो काम को तरसते थे। लेकिन अब उनकी गाड़ी पटरी पर आ चुकी है। वो बैक-टू-बैक फिल्में कर रहे हैं। और इसमें प्रकाश झा की आश्रम सीरीज से उन्हें बहुत मदद मिली है। आश्रम सीरीज के तीसरे सीजन के पार्ट-2 का ऐलान किया गया। जहां बॉबी ने निगेटिव किरदार निभाने को लेकर बात की। साथ ही बताया कि प्रकाश झा ने उनपर तब विश्वास किया जब सबने उनसे दूरी बनाई हुई थी। बॉबी ने इसी के साथ पिता धर्मेंद्र और भाई सनी देओल के रिएक्शन पर भी बात की। उन्होंने बताया कि बाबा निराला के इस निगेटिव रोल पर उनका क्या रिएक्शन था। बॉबी बोले- हम एक्टर्स हैं और हम तरह के किरदार निभाते हैं। ये ऐसा टॉपिक है कि जिसपर जितनी बात करो कंट्रोवर्शियल हो जाता है। एक एक्टर के तौर पर मैं इसी कोशिश में लगा था कि कुछ अलग तरह के कैरेक्टर्स कर पाऊं। हीरो के रोल तो मिलने नहीं वाले थे मुझे। इसलिए जब मैंने ये शो एक्सेप्ट किया तो मैंने किसी को बताया नहीं था। मैंने इंतजार किया कि क्या रिएक्शन आएगा। जब रिएक्शन आया तो मुझे ऐसा लगा कि मैं सपना देख रहा हूं। मेरी मां ने कहा कि मुझे हर दिन मेरी सहेलियों के फोन आ रहे हैं। कहतीं कि आपके बेटे ने इतना प्यारा काम किया है कि हमें तो बहुत मजा आ रहा है। पापा मुझे बुलाकर बताते कि इतने लोग बोल रहे है मुझे कि तूने कितना अच्छा काम किया है। बहुत खुश हूं मैं। भैया ने भी वही कहा कि उनके इतने दोस्तों ने फोन करके कहा कि बॉबी से बात कराओ हमारी। तो हमारा काम है एक एक्टर होने के नाते कि हम अच्छा काम करें और दर्शकों को एंटरटेन करें। मैं इसका पूरा श्रेय प्रकाश जी को दूंगा। उन्होंने मेरी जिंदगी बदल दी। बॉबी ने आगे कहा- ये सब सिर्फ प्रकाश जी की वजह से हुआ। मैं उस दौर से गुजर रहा था, जब मैं काम ढूंढने की कोशिश कर रहा था। अपनी इमेज बदलने की कोशिश कर रहा था। वैसे मौके बहुत कम या आ ही नहीं रहे थे। फिर एक दिन मुझे कॉल आया, और आश्रम सीरीज के बारे में बताया कि प्रकाश जी डायरेक्ट कर रहे हैं। मैं पहली बार प्रकाश जी से गुप्त फिल्म की डबिंग के दौरान मिला था। तब ही मैंने ख्वाहिश जताई थी कि आपके साथ काम करना है, लेकिन बात बन नहीं पाई थी।

समय रैना की बढ़ी मुश्किलें, महाराष्ट्र साइबर सेल ने भेजा दूसरा समन

महाराष्ट्र साइबर सेल ने यूट्यूबर समय रैन ने इंडियाज गॉट लैटेंट पर की गई टिप्पणी के संबंध में दूसरा समन जारी किया है, जिससे विवाद पैदा हो गया है। इससे पहले समय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बयान दर्ज करवाने की मांग कर चुके हैं। समय रैना को इससे पहले 18 फरवरी को बयान दर्ज करने के लिए उपस्थित न होने के बाद मुद्दा उठा है। महाराष्ट्र साइबर सेल ने बयान जारी किया है कि रैना को कल एक और समन भेजा गया, ताकि उनके बयान की रिकॉर्डिंग के लिए उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। कॉमेडियन समय रैना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बयान दर्ज करने की अनुमति मांगी थी। वे फिलहाल अमेरिका में हैं, 17 मार्च से पहले समय भारत नहीं लौट पाएंगे। इस मामले में विभाग ने उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। विभाग ने कहा कि ये बयान व्यक्तिगत रूप से दर्ज किया जाना चाहिए।

कॉमेडियन समय रैना और यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया इंडियाज गॉट लैटेंट शो में विवादित टिप्पणी के मामले में विवादों से घिरे हैं। रणवीर अल्लाहबादिया के खिलाफ पुलिस केस हो गया है। ऐसे में उन्होंने लोगों से माफी मांगी है। समय रैना ने ऐलान किया है कि उन्होंने इंडियाज गॉट लैटेंट के सभी शो हटा दिए हैं। समय रैना ने कहा है कि वह किसी भी जांच में पूरा सहयोग करेंगे। जानकारी महाराष्ट्र साइबर सेल के इंस्पेक्टर जनरल यशस्वी यादव ने कहा, 'अब तक शो के सभी एपिसोड में शामिल हुए तमाम मेंबर्स पर एफआईआर दर्ज की गई है। अधिकारियों ने जांच के दायरे में आने वाले सभी वीडियो को हटाने का आदेश दिया था और जांच पूरी होने तक शो का अकाउंट भी निष्क्रिय करने का आदेश दिया था। साइबर अधिकारियों ने पहले विवादित वीडियो हटाया और फिर कॉमेडियन समय रैना को मामले से जुड़ी सभी सामग्री हटाने का निर्देश दिया। अब तक कलाकारों, निर्माताओं और इन्फ्लुएंसर्स समेत कुल 42 लोगों को तलब किया गया है। मुख्य आरोपियों में समय रैना, अपूर्व मुखीजा और रणवीर इलाहाबादिया शामिल हैं।

गूगल का चौंकाने वाला खुलासा : पतियों की पसंद और नपसंद ज्यादा सर्च करती हैं शादीशुदा महिलायें

आजकल हमारी जिंदगी में गूगल का दखल कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। हमसे कोई अगर सवाल पूछता है या फिर हम खुद किसी चीज का जवाब जानना चाहते हैं, तो उसका जवाब गूगल पर ढूंढना शुरू कर देते हैं। गूगल एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन चुका है, जहां पर लगभग हर चीज का जवाब पा सकते हैं। चाहे वो खाना बनाना हो या फिर फैशन टिप्स, गूगल हर चीज में इंसानों की मदद करता है। ऐसे समय में सवाल उठता है कि आखिर शादीशुदा महिलाएं गूगल पर क्या खोजती हैं? ऐसा इसलिए क्योंकि अध्ययनों से पता चलता है कि शादी के बाद महिलाएं छोटी-छोटी बातों के लिए गूगल से मदद लेती हैं। हाल ही में जारी किए गए रिपोर्ट्स में ऐसी बातें सामने आई हैं कि आप उन्हें जानने के बाद अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे। गूगल द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ज्यादातर विवाहित महिलाएं अपने पति से संबंधित कई चीजें सर्च करती हैं। महिलाएं गूगल पर पतियों की पसंद और नापसंद के बारे में सबसे अधिक सवाल पूछती हैं। हालांकि, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। दुनिया की हर महिला शादी के बाद इस सवाल से परेशान रहती है कि उसके पति को क्या पसंद है और क्या नहीं? बता दें कि कुछ महिलाओं के मन में अपने पतियों के बारे में ऐसे प्रश्न होते हैं जो वे किसी और से नहीं पूछ सकतीं। ऐसे समय में उनका एकमात्र सहारा गूगल ही होता है। आप शायद हंसें, लेकिन हकीकत में कुछ महिलाएं ऐसी हैं जो जानना चाहती हैं कि अपने पतियों को अपना गुलाम कैसे बनाया जाए। वास्तव में, महिलाएं सोचती हैं कि उनके पति का ध्यान दूसरी बातों में ही रहता है, जिसकी वजह से वे अपनी पत्नियों की बातें नहीं सुनते। इतना ही नहीं, शादी के बाद महिलाएं इस बात को लेकर भी चिंतित रहती हैं कि अपने पति को हमेशा खुश रखने के लिए क्या करें। ऐसी महिलाएं न केवल खाने की रेसिपी खोजती हैं, बल्कि अपने पतियों के लिए अलग-अलग उपहार विकल्प भी खोजती हैं।

अजब-गजब | वन विभाग ने पेड़ों को बचाने के लिए निकाला अजीब उपाय

सालों से पिंजरे में कैद है ये पेड़, वजह कर देगी हैरान

आमतौर पशु-पक्षियों को पिंजरे में कैद किया जाता है, क्योंकि पक्षी उड़कर भाग सकते हैं और जानवर पिंजरे से बाहर आकर नुकसान पहुंचा सकते हैं। लेकिन, कभी आपने किसी पेड़ को कैद में देखा है? वो भी जंजीरों से जकड़ा हुआ। ये सुनकर आश्चर्य तो जरूर होगा, लेकिन ये सच है। झारखंड के हजारीबाग में ऐसा पेड़ देखा गया, जिसे सालों से कैद रखा गया है, जैसे वह कहीं भाग जाएगा! दरअसल, हजारीबाग के वन विभाग कार्यालय परिसर में एक बेश कीमती लाल चंदन का वृक्ष बड़ा होकर तैयार हो गया है। ऐसा कहा जाता है कि यह जिले में इकलौता लाल चंदन का तैयार वृक्ष है। इस कारण से इसके चोरी होने का खतरा काफी है। चोरों ने 31 जनवरी 2021 को इस लाल चंदन के पेड़ को चोरी करने की कोशिश की थी। चोरों ने चंदन के वृक्ष के एक हिस्से को काट भी दिया था। उसके बाद इसकी सुरक्षा अब और बढ़ा दी गई। चोरों के खौफ इतना है कि चंदन के इस बड़े पेड़ को लोहे के पिंजरे में कैद किया गया, जंजीरों से जकड़ा गया, ताकि चोर पेड़ को काट न सकें। अगर काट भी लें तो लेकर भाग न सके। पेड़ के तने को लगभग 8 फीट की ऊंचाई तक लोहे से घेर दिया गया है। यही नहीं, वन विभाग की इस पेड़ पर विशेष नजर रहती है। वन विभाग के सहायक वन संरक्षक पदाधिकारी एके परमार ने बताया कि लाल चंदन का वृक्ष बेहद कीमती होता है। इसका उपयोग कॉस्मेटिक, पूजन से लेकर कई जगह किया जाता है। अत्यधिक महंगा होने के कारण चोरों की नजर इस चंदन के वृक्ष पर होती है। इस कारण वन विभाग में सुरक्षा के दृष्टिकोण से चारों ओर जंजीर और लोहे से इसे कवर किया गया है।

आगे बताया, हजारीबाग में कई चंदन के पेड़ चोरी हो चुके हैं। हजारीबाग के खिरगांव स्थित मुक्तिधाम श्मशान घाट के भूतनाथ मंडली के अध्यक्ष मनोज गुप्ता भी बताते हैं कि मुक्तिधाम शमशान घाट में कई चंदन के वृक्ष थे। लेकिन, चंदन के वृक्ष की चोरी हो गई। यही नहीं हजारीबाग के डीएफओ के आवास से भी चंदन के वृक्ष की चोरी हुई है। वन विभाग कार्यालय से तो तीन बार पेड़ों की चोरी हो चुकी है। खिरगांव स्थित मुक्तिधाम से लाखों के चंदन वृक्ष की चोरी हो चुकी है।

इस संबंध मे भूतनाथ मंडली के तत्कालीन अध्यक्ष विजय कुमार वर्मा ने सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज को लेकर आवेदन दिया था। 17 जून 2016 की देर रात अज्ञात चोर चंदन के पेड़ काट कर ले गए। मुक्तिधाम परिसर में 36 चंदन के पेड़ लगाए गए थे। इनमें अब तक 30 पेड़ की चोरी हो चुकी है। दस साल में हजारीबाग से एक करोड़ से अधिक मूल्य के पेड़ की चोरी तस्कर कर चुके हैं। फॉरेस्ट ऑफिस से छह पेड़, डीएफओ आवास से दो पेड़, फॉरेस्ट कालोनी से कुल छह चंदन के पेड़ की चोरी तस्कर कर चुके हैं। कुल मिला कर एक करोड़ से अधिक मूल्य के चंदन के पेड़ की चोरी हो चुकी है।

'देश का हर दलित आंबेडकर है'

राहुल गांधी ने दलितों की कम भागीदारी पर जताई चिंता

» नेता प्रतिपक्ष ने लोगों से घर-परिवार के बारे में पूछा और लिया हालचाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे जहां पर उन्होंने दलित छात्रों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि दलितों के साथ जो हजारों साल में अन्याय और भेदभाव हुआ है डॉ. आंबेडकर ने वो ध्यान में रखकर संविधान बनाया है। देश की हजारों साल की संस्कृति और महापुरुषों के विचार देश के संविधान में हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर के विचार समाज से आए हैं। देश का हर दलित आंबेडकर है। डॉ. आंबेडकर ने संविधान के माध्यम से दलितों को शक्ति दी है। उन्होंने कहा कि आज देश में संविधान की आवाज को दबाया जा रहा है।

राहुल गांधी ने चुरुवा हनुमान मंदिर पर टेका माथा

सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुरुवा हनुमान मंदिर पहुंचे। वहां पर उन्होंने पूरे विधि विधान के साथ हनुमंत लाल की मूर्ति के सामने खड़े होकर आरती की। पुष्प चढ़ाएं और लड्डुओं का भोग लगाकर आशीर्वाद लिया। पुजारी को 501 रुपये की दक्षिणा दी।

देश में दलितों की आबादी 15 प्रतिशत है लेकिन इसके अनुपात में देश की टॉप कंपनियों के मालिक और सीईओ दलित समाज से नहीं हैं। संविधान आपको बराबरी का अधिकार देता है और अब इसे ही खत्म करने की साजिश रची जा रही है। देश के संविधान को बचाना हमारी जिम्मेदारी है।

आंबेडकर जी ने कहा था कि संगठित बनों, शिक्षित बनो और संघर्ष करो। दलित समाज को इसी तरह अपने हक को प्राप्त करना होगा। छात्रावास में कम होती सुविधाओं और बढ़ती समस्याओं का मुद्दा ही नहीं उठा, बल्कि देश में बढ़ती बेरोजगारी और दिनोंदिन घटती भागीदारी पर भी चिंता जताई गई। रोजगार, संविधान, अग्निवीर जैसे कई मुद्दों पर छात्रों ने खुलकर अपनी बात रखी। मौका था शहर के मूल भारती छात्रावास में दलित छात्र संवाद का। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिले के सांसद राहुल गांधी पहुंचे। छात्रावास की मूलभूत समस्याओं के संबंध में सांसद को पत्र सौंपा गया। कहा, छात्रावास में पहले जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उच्च शिक्षा में कम भागीदारी की बात चली तो सांसद ने कहा कि हर वर्ग को बराबर की भागीदारी मिलनी चाहिए। सांसद ने उनसे घर-परिवार के बारे में पूछा और हालचाल लिया। प्रमोद कुमार ने बेरोजगारी पर चर्चा की। भोला भारती ने कहा कि बीएड करने वाले भटक रहे हैं, उन्हें रोजगार चाहिए। संजीत कुमार ने बताया कि सांसद ने छात्रावास की मूलभूत जरूरतें पूरी कराने का भरोसा दिया है।

कार्यकर्ताओं में भरा जोश दिया जीत का मंत्र

राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कभी भी अपने आप को कमजोर मत समझिए। मौजूदा सरकारें केंद्र और प्रदेश में हैं। वह लोगों का ध्यान मुद्दों से भटका रही हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई चरम पर है। बेरोजगारी भी बढ़ती जा रही है। पर्याप्त रोजगार देने में केंद्र सरकार सक्षम नहीं है। सांसद ने कहा कि जनहित के मुद्दे संसद में रख रहे हैं, लेकिन सरकार चर्चा से भागती रहती है। कहा कि सभी लोग आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अभी से जी जान से जुट जाएं। गांव-गांव जाकर लोगों को कांग्रेस की नीतियों के बारे में बताएं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में पूंजी पतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है और छोटे व्यापारी तमाम टैक्स की वजह से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि जो भी टैक्स लगे हैं, उनकी वजह से महंगाई आज कई गुना तक बढ़ चुकी है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी, सुशील पासी, पल्टू पासी, रंजन मिश्रा अवधेश चौधरी, कृपाशंकर आदि कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

मैं सभी धर्मों का सम्मान करती हूं: ममता बनर्जी

» बोलीं- धर्म किसी एक व्यक्ति का हो सकता है, लेकिन धार्मिक उत्सव सभी के लिए होते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताने वाली अपनी टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करती हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने इस बात पर जोर दिया कि धर्म किसी एक व्यक्ति का हो सकता है, लेकिन धार्मिक उत्सव सभी के लिए होते हैं। ममता ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में बोलते हुए प्रयागराज में जारी महाकुंभ मेले के प्रबंधन को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि यह आयोजन मृत्यु कुंभ में बदल गया है, जिसमें भगदड़ की घटनाओं में लोगों की जान जा रही है। ममता ने अधिकारियों पर मृतकों की वास्तवित संख्या छिपाने का आरोप भी लगाया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी को लेकर उन पर हमलावर है। ममता ने कहा, किसने कहा कि मैं अपने धर्म का सम्मान नहीं करता? याद रखिए, धर्म एक व्यक्ति का होता है, लेकिन त्योहार सभी के लिए होते हैं। हमारे देश में कई राज्य हैं और हर राज्य की भाषा, शिक्षा, रहन-सहन, संस्कृति और मान्यताएं अलग-अलग हैं। लेकिन हम सभी संस्कृतियों का सम्मान करते हैं। इसीलिए विविधता में एकता हमारा दर्शन और विचारधारा है। मुख्यमंत्री यहां न्यूटाउन में नारायण हेल्थ सिटी की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, कभी-कभी लोग मुझसे पूछते हैं कि आप पुरुष हैं या महिला, तो मैं जवाब देती हूं कि मैं खुद को इंसान मानती हूं और मानवता मेरा विषय है।

किसान अनशन पर, दावतें उड़ा रहे बादल और जाखड़: भगवंत

» सीएम बोले - राजनीतिक स्वार्थ के लिए जनता को बांटते हैं नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शिरोमणि अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल और भाजपा नेता सुनील जाखड़ सहित विपक्षी नेताओं पर आरोप लगाया कि जब राज्य के किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे हैं, तब ये नेता दावतों का आनंद ले रहे हैं। मान चंडीगढ़ में नवनियुक्त 497 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह साफ तौर पर उस ऊपरी राजनीतिक वर्ग की असंवेदनशीलता को

दर्शाता है, जिसने दशकों तक पंजाब में शासन किया है। मान ने बादल की बेटी हरकीरत कौर बादल के विवाह समारोह का जिक्र करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में कई बड़े राजनीतिक नेता शामिल हुए, उन्होंने कहा कि ये नेता मंचों से एक-दूसरे पर हमला करते हैं, लेकिन निजी आयोजनों में मिलकर गले लगते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा ये नेता अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए लोगों को बांटते हैं।

इंटीग्रल में इंडस्ट्री-अकादमिक मीट संपन्न

» अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन, दुनियाभर के विशेषज्ञ हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के बायोइंजीनियरिंग विभाग, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड आईटी, और इंटीग्रल स्टार्टअप फाउंडेशन ने लखनऊ चैप्टर और इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज, नई दिल्ली के सहयोग से पहला इंडस्ट्री-अकादमिक मीट और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ट्रेंड्स एंड इनोवेशंस इन साइंस एंड इंजीनियरिंग, ब्रिजिंग द इंडस्ट्री-अकादमिक इंटरफेस का भव्य उद्घाटन किया। तीन दिवसीय सम्मेलन 20 से 22 फरवरी तक चलेगा।

ये सम्मेलन बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, मध्य प्रदेश के साथ-साथ कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों जैसे ताशकंद इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (उज्बेकिस्तान), इंस्टीट्यूट ऑफ

माइक्रोबायोलॉजी (उज्बेकिस्तान), किंग मोंगकुट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी लड्डक्राबैंग (थाईलैंड), अल-फराबी कजाख नेशनल यूनिवर्सिटी (कज़ाकिस्तान) और हमाद मेडिकल कॉरपोरेशन (कतर) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ मिलकर आयोजित किया गया है। इसका उद्देश्य विज्ञान और इंजीनियरिंग को समाज के साथ जोड़ते हुए नवाचार और सहयोग को प्रोत्साहित करना है।

नैतिक मूल्यों और ईमानदारी के साथ अपने क्षेत्र में नेतृत्व करें : वसीम अख्तर

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के संस्थापक एवं कुलाधिपति प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी की समाज में अहम भूमिका पर प्रकाश डालते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों से केवल तकनीकी दक्षता ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों और ईमानदारी के साथ अपने क्षेत्र में नेतृत्व करने का आह्वान किया। इस आयोजन में विकसित भारत-2047 के लिए कुशल कार्यबल का निर्माण विषय पर एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा हुई। इसमें उर्जा, चिकित्सा और पर्यावरण के क्षेत्र में नवीन खोजों को बढ़ावा देने और वैश्विक सहयोग के माध्यम से इंडस्ट्री की चुनौतियों का समाधान निकालने पर विचार किया गया। प्रो-चांसलर डॉ. सैयद नदीम अख्तर ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुसंधान के लिए अनुदान और सहायता से जुड़ी चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए इस क्षेत्र में अधिक समर्थन की आवश्यकता को रेखांकित किया। वहीं, माननीय कुलपति प्रो. जावेद मुसर्रत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते रुझानों पर चर्चा की और बताया कि नवाचार भविष्य के कार्यबल को तैयार करने और प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख शिक्षाविद, उद्योग जगत के अग्रणी और नीति निर्माता शामिल थे।

गिल-शमी के दम पर भारत का विजयी आगाज

» चैंपियंस ट्रॉफी: बांग्लादेश को छह विकेट से हराया

» रोहित शर्मा ने वनडे में पूरे किए 11000 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की शानदार गेंदबाजी के बाद उपकप्तान शुभमन गिल के बेहतरीन शतक से भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को छह विकेट से हराकर टूर्नामेंट की विजयी शुरुआत की। शमी की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने बांग्लादेश को 49.4 ओवर में 228 रन पर रोक दिया था। जवाब में भारत ने गिल के 129 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 101 रनों की बदौलत 46.3 ओवर में चार विकेट पर 231 रन बनाकर मैच जीता। बांग्लादेश के लिए जहां तौहीद ह्रदोय ने शतक जड़ा और टीम को सम्मानजनक स्कोर

तक पहुंचाया। गिल का साथ अंत में केएल राहुल ने बखूबी निभाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान रोहित शर्मा और गिल ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी, लेकिन रोहित 41 रन बनाकर आउट हो गए। रोहित ने हालांकि वनडे में 11000 रन पूरे किए और वह इस उपलब्धि पर पहुंचने वाले भारत के चौथे बल्लेबाज बने। इसके बाद टीम ने विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल के विकेट गंवाए।

सबसे कम मैचों में 200 वनडे विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने शमी

दुबई। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। शमी ने इस दौरान एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली। वह सबसे कम मैचों में वनडे में 200 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क सभी से आगे हैं। स्टार्क ने 102 मैचों में 200 विकेट पूरे किए थे, जबकि शमी ने 104 मैचों में पूरा किया। उन्होंने सकलेन मुश्ताक की बराबरी कर ली। शमी ने 53 रन देकर पांच विकेट लिए जो चैंपियंस ट्रॉफी में किसी भारतीय गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस मामले में रवींद्र जडेजा आगे है। जडेजा ने 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 36 रन देकर पांच विकेट लिए थे। वहीं, सचिन तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1998 में 38 रन देकर चार विकेट लिए थे और वह इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

सियासी बयान से फिर बिहार में घमासान

दिल्ली सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में नहीं पहुंचे थे नीतीश कुमार, राजद विधायक का दावा- हमारे साथ आने वाली है जदयू

» कांग्रेस ने भी नीतीश कुमार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर महागठबंधन के साथ जा सकते हैं। एक बयान ने फिर से राजनीतिक अटकलों को जन्म दे दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से विशेष रूप से अनुपस्थित रहे, जिससे राजनीतिक अटकलें तेज हो गई। उनकी अनुपस्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि नीतीश कुमार हमारे साथ आने वाले हैं, तो वह एनडीए की बैठक में क्यों शामिल होंगे? भाई वीरेंद्र के इस बयान से सियासी गलियारे में एक बार फिर तूफान उठ गया है।

बता दें कि सीएम नीतीश कुमार के दिल्ली नहीं जाने को लेकर भले राजनीति शुरू हो गई है लेकिन शपथ ग्रहण समारोह में नहीं जाने के पीछे कई कारण था। सीएम का पहले से भी कार्यक्रम तय था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को रोहतास जिले में 1378.46 करोड़ रुपये की कुल 1220 विकासात्मक योजनाओं का उदघाटन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने 1110.23 करोड़ रुपये की 1971 परियोजनाओं का शिलान्यास और 268.22 करोड़ रुपये की 249 परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, ''मुख्यमंत्री ने जिले के करमचट, बादलगढ़, दुर्गावती और दिनारा में विभिन्न इको-टूरिज्म और एडवेंचर हब केंद्रों और बोट हाउस शिविरों का उद्घाटन व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने चेनारी प्रखंड में मल्हीपुर पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया और क्षेत्र में जीविका दीदियों के साथ बातचीत की। उन्होंने रोहतास जिले में राज्य सरकार का जारी विकास योजनाओं की समीक्षा के लिए एक बैठक की भी अध्यक्षता की।

बिहार में फिर बनेगी नीतीश की सरकार : शाहनवाज हुसैन

बीजेपी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि अभी बीजेपी ने राष्ट्र का चुनाव जीता, महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली भी जीते हैं, अब बिहार की बारी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम लोग बिहार का चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। नीतीश कुमार जैसा अनुभवी मुख्यमंत्री किसी के पास नहीं है। पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन ने रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के बाद बधाई देते हुए कहा कि आज देश की महिलाएं खुश है। बीजेपी के कई राज्यों में मुख्यमंत्री हैं, लेकिन महिला मुख्यमंत्री दिल्ली में बनी हैं। शाहनवाज हुसैन ने आगे कहा कि बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार चल रही है और अच्छा काम कर रही है. नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार आगे बढ़ रहा है. बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के आपराधिक घटनाओं में वृद्धि के आरोपों को लेकर उन्होंने कहा कि उनके मुंह से अपराध का नाम शोभा नहीं देता है, जो स्क्रिप्ट उन्हें मिलती है, वह बोलते रहते हैं।

कर्पूरी ठाकुर की तुलना लालू से करना सही नहीं : वहीं तेजस्वी यादव के लालू यादव को भारत रत्न दिए जाने के बयान को लेकर पूर्व मंत्री हुसैन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिला, उनकी तुलना लालू यादव से करना सही नहीं है. लालू यादव अभी भी जमानत पर हैं।

विस चुनाव के बाद नीतीश बिहार के मुख्यमंत्री नहीं होंगे : अलका लांबा

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की प्रमुख अलका लांबा ने दावा किया कि जद(यू) प्रमुख नीतीश कुमार कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। महिला कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद बिहार की राजधानी की अपनी पहली यात्रा पर उन्होंने देर शाम यहां पत्रकारों से बातचीत की। पुलिस बल में आरक्षण जैसे उपायों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के कुमार के दावे के बारे में पूछे जाने पर लांबा ने कटाक्ष करते हुए कहा, नीतीश जी को पिछले विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के प्रदर्शन को याद करना चाहिए, जब जनता दल(यूनाइटेड) सीटों के मामले में तीसरे स्थान पर रही थी। मैं यह भी भविष्यवाणी कर कर रही हूं कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद वह मुख्यमंत्री नहीं होंगे। उन्होंने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 225 से अधिक सीटें जीतने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का भी उपहास उड़ाया और कहा कि भाजपा ने पिछले साल लोकसभा चुनाव में 400 पार सीटें जीतने का दावा किया था लेकिन बहुमत भी हासिल नहीं कर पायी। लांबा ने भाजपा पर महिला आरक्षण विधेयक को पारित करवाने का श्रेय लेने के बावजूद इसके क्रियान्वयन में बाधा डालने का भी आरोप लगाया। लांबा ने कहा कि बिहार में चुनाव की घोषणा होने के पूर्व एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित कर दी जाना चाहिए।

जेकेएलएफ के नेता यासीन मलिक को 'सुप्रीम' निर्देश

» वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कार्यवाही में शामिल होने का आदेश, 7 मार्च को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जेल में बंद जेकेएलएफ नेता यासीन मलिक के मुकदमे को जम्मू के बजाय तिहाड़ जेल की अदालत में स्थानांतरित करने की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की मांग पर सुनवाई स्थगित कर दी। मूल रूप से इस दिन के लिए निर्धारित सुनवाई अब 7 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने यासीन मलिक को वीडियो कॉन्फ्रेंस (वीसी) के जरिए कार्यवाही में शामिल होने का निर्देश दिया।

अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि तिहाड़ जेल में सुनवाई करने की पूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन वे मामले में मलिक का पक्ष भी सुनना चाहते हैं। यासीन मलिक वर्तमान में 1990 में चार भारतीय वायु सेना कर्मियों की हत्या और 1989 में जम्मू-कश्मीर के पूर्व गृह मंत्री की बेटी रुबैया सईद के अपहरण में कथित संलिप्तता के लिए जम्मू-कश्मीर की टाडा (आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधियां) अदालत में मुकदमे का सामना कर रहा है। रुबैया के अपहरण के पांच दिन बाद मुक्त कर दिया गया था जब केंद्र में तत्कालीन भाजपा समर्थित वीपी सिंह सरकार ने बदले में पांच आतंकवादियों को रिहा कर दिया था, अब तमिलनाडु में रहती है। वह सीबीआई के लिए अभियोजन पक्ष की गवाह हैं, जिसने 1990 के दशक की शुरुआत में मामले को संभाला था। मई 2023 में टेरर-फंडिंग मामले में विशेष एनआईए अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद मलिक को तिहाड़ जेल में रखा गया है। टाडा अदालत ने सुनवाई के दौरान मलिक की व्यक्तिगत उपस्थिति के लिए समन जारी किया था। हालाँकि, सीबीआई ने इस फैसले को चुनौती देते हुए तर्क दिया कि मलिक की जम्मू-कश्मीर की यात्रा से क्षेत्र में माहौल खराब हो सकता है और विशेष रूप से मामले से जुड़े गवाहों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। सुनवाई स्थगित करने और मलिक को वीसी के माध्यम से शामिल होने की अनुमति देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सुरक्षा चिंताओं और निष्पक्ष सुनवाई की आवश्यकता दोनों को संबोधित करने के प्रयास के रूप में देखा जाता है।

पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी मानहानि मामले में बरी

दिल्ली की एक अदालत ने एक व्यवसायी द्वारा दायर आपराधिक मानहानि मामले में महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के खिलाफ मानहानि की शिकायत खारिज कर दी। अदालत ने कहा शिकायतकर्ता की मृत्यु हो चुकी है, जबकि उनके उत्तराधिकारी यह साबित करने में विफल रहे कि वह कथित बयान से व्यथित थे। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने यह फैसला सुनाया। न्यायाधीश ने कहा, ''आरोपी द्वारा बरी किए जाने के लिए दायर आवेदन को स्वीकार किया जाता है और उसका निपटारा किया जाता है। चूंकि शिकायतकर्ता की मृत्यु हो चुकी है और वर्तमान शिकायत पर मुकदमा चलाने के लिए कोई पीड़ित व्यक्ति नहीं है, इसलिए आरोपी नंबर 4 (एक निजी कंपनी) को भी बरी किया जाता है।

नवगठित दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र 24 फरवरी से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में बीजेपी सरकार अस्तित्व में आने के एक दिन बाद पार्टी के नेता और अगले स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार (21 फरवरी) को बताया कि विधानसभा का सत्र 24 फरवरी को शुरू होगा। यह सत्र 27 फरवरी 2025 को समाप्त होगा। चौंकाने वाली बात यह है कि बीजेपी सरकार नवगठित विधानसभा के पहले सत्र में ही कैग रिपोर्ट पेश करेगी।

दिल्ली विधानसभा का सत्र 24, 25 और 27 फरवरी 2025 को होगा। नवगठित दिल्ली विधानसभा के पहले सत्र में सबसे पहले नए विधायकों का शपथ ग्रहण होगा। दूसरे दिन सीएजी की 14 रिपोर्ट को सदन में रखा जाएगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी के लोगों से वादा किया था कि बीजेपी की सरकार बनने के बाद पहली विधानसभा सत्र में ही हमारी पार्टी कैग रिपोर्ट पेश करेगी।

गुटबाजी करने वालों को बाहर निकाला जाना चाहिए : अल्लावरु

» बिहार के नए कांग्रेस प्रभारी ने किया राज्य का दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने पार्टी कार्यकर्ताओं को इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले गुटबाजी के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि गुटबाजी में शामिल होने वालों को निकाल दिया जाना चाहिए।

नई जिम्मेदारी मिलने के बाद राज्य के अपने पहले दौरे में अल्लावरु बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, पार्टी में गुटबाजी करने वालों को बाहर निकाल देना चाहिए। मतभेद समझ में आते है...कार्यकर्ताओंनेताओं को अपने विचार पार्टी मंचों पर ही रखने चाहिए। लेकिन इसे लक्ष्मण रेखा पार नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर काम करने और पार्टी को मजबूत बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी को चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, आम धारणा है कि पार्टी संगठन में काम करने वाले कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान नहीं मिलता और इसके बजाय नेताओं को अधिक महत्व मिलता है। मैं यह जरूर कहूंगा कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान दिया जाएगा। हमें बिहार में कांग्रेस को फिर से मजबूत करना है। हमें जीतने के लिए चुनाव लड़ना है। लड़ाई चाहे बड़ी हो या छोटी, संभव हो या असंभव... हमें जीतने के लिए हर लड़ाई लड़नी होगी। हम बिहार में लड़ेंगे... हम जीतेंगे। अल्लावरु ने कहा, दिल्ली और पटना के चक्कर लगाना बंद करें। अगर आप जमीनी स्तर पर मेहनत करते दिखेंगे तो आपको ईनाम मिलेगा।

संजय राउत ने यमुना की सफाई का काम शुरू होने पर उठाया सवाल, कहा-

केजरीवाल के हारने का इंतजार कर रही थी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में बीजेपी की जीत के बाद से ही उपराज्यपाल के आदेश पर यमुना की सफाई का काम शुरू कर दिया गया था। वहीं 20 फरवरी को रेखा गुप्ता ने सीएम पद की शपथ लेते ही यमुना तट पर भव्य आरती भी की गई। इस पर तंज कसते हुए शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने सवाल खड़ा किया है कि क्या बीजेपी ये सब करने के लिए अरविंद केजरीवाल के जाने का इंतजार कर रही थी?

उन्होंने कहा कि अब तो दिल्ली और केंद्र दोनों में ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, अब बीजेपी के पास खुली छूट है तो अब वे कुछ भी कर सकते हैं। यमुना की सफाई के मुद्दे पर संजय राउत ने कहा कि जिस दिन दिल्ली में अरविंद केजरीवाल चुनाव हार गए, उसी दिन शाम को उपराज्यपाल यमुना किनारे गए और साफ-सफाई का काम करने लगे. भारतीय जनता पार्टी क्या अरविंद केजरीवाल के हारने का इंतजार कर रह थी. इसके अलावा संजय राउत ने कहा कि दिल्ली में क्या आम आदमी पार्टी की सरकार थी, इसलिए बीजेपी दिल्ली में कोई काम नहीं होने दे रही थी।

डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी एक ही सिक्के के दो पहलू

इसके अलावा संजय राउत ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करते हुए कहा कि एक ही सिक्के के दो अलग-अलग पहलू हैं। संजय राउत ने मायावती पर राहुल गांधी के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि उनका बयान सही है, अगर लोकसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश में मायावती (बीएसपी) हमारे साथ होतीं तो नतीजे कुछ और ही होते।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।